बफैलो-बिल और पोनी-एक्सप्रेस

एलेनोर

जल्दी चलो !

देखो पोनी एक्सप्रेस आ रही है. युवा बिल कोडी - जो बाद में बफैलो बिल के रूप में जाना गया - पश्चिम से डाक पहुंचाने के लिए टट्टू सवारों के इस प्रसिद्ध समूह में शामिल हो गया. उसने अपने मार्ग में कई खतरों का सामना किया. बिल ने भयानक मौसम भी झेला, भेड़ियों का आक्रमण सहा और अंत में टॉड नामक खूंखार डाकू का भी आक्रमण झेला. फिर भी बिल ने हमेशा समय पर मेल (डाक) पहुंचाई भले ही उसके लिए उसे एक दिन में सौ मील से अधिक की सवारी करनी पड़ी.

बफैलो-बिल

और पोनी-एक्सप्रेस

अध्याय 1

घुड़सवारों की ज़रुरत!

1860 का वसंत था.

बिल ने फोर्ट लारमी में पोस्ट ऑफिस में एक पोस्टर लगा देखा.

पोस्टर पर लिखा था :

ज़रुरत है 18 साल से कम उम्र के पतले युवा लोगों की. अनाथों का स्वागत है. एक सप्ताह में 25 डॉलर की तनख्वाह.

"मैं यही काम चाहता हूँ!"

बिल ने कहा.

बिल मिस्टर मेजर्स से मिलने के लिए गया.

बिल लंबा होकर खड़ा हुआ और उसने कहा,

"मैं पोनी-एक्सप्रेस में शामिल होना चाहता हूं."

मिस्टर मेजर्स हंसे.

"एक तेज़ हवा तुम्हें उड़ाकर

ले जा सकती है!" उन्होंने कहा.

"तुम अभी बहुत छोटे हो."

"क्या?" बिल ने पूछा .

"मैं सोलह साल का हूं!"

"मुझे बेवकूफ बनाने की कोशिश मत

करो!" मिस्टर मेजर्स ने कहा,

“अगर तुम सोलह साल के हो

तो मैं इंसान नहीं छिपकली हूं!”

"मुझे लगता है कि मैं पंद्रह के करीब हूं," बिल ने कहा.

"तुम सवारी कर सकते हो? नक्शा पढ़ना जानते हो? तैरना? गोली चलाना?" श्री मेजर्स से पूछा.

"जी श्रीमान," बिल ने कहा.

"जब मैं नौ साल का था तब मैं मवेशियों को इकट्ठा करता था, और मैं हवा की तरह सवारी कर सकता हूं."

"यह कोई पिकनिक नहीं होगी," श्री मेजर्स ने कहा.

“तुम्हें प्रत्येक दिन सत्तर या उससे अधिक मील की दूरी तय करनी होगी. उसमें परेशानी भी हो सकती है.”

"मुझे कोई डर नहीं है," बिल ने कहा.

"मुझे तुम्हारी बहादुरी पसंद है, बेटा."
श्री मेजर्स ने कहा "लेकिन झूठ नहीं
बोलने, कसम न खाने, और लड़ाई नहीं
करने का तुम्हें वादा करना होगा.”

“और चाहे जो भी हो तुम्हें सही समय
पर डाक पहुंचानी होगी."
"मैं वादा करता हूं," बिल ने कहा.

श्री मेजर्स ने बिल को एक नक्शा दिखाया.
"देखो यह रहा सेंट जोसेफ, और वो है
सैक्रामेंटो, कैलिफोर्निया. अस्सी सवार
और चार सौ टट्टू इन शहरों के बीच में डाक
ले जाते हैं," श्री मेजर ने कहा.

"यह एक लंबा रास्ता है!" बिल ने कहा.
"हाँ," श्री मेजर्स ने कहा.
"यह लगभग दो हज़ार मील की दूरी है.
घुड़सवारों को दस दिनों में मेल ले जाने के लिए
दिन-रात यात्रा करनी पड़ती है.
वे स्टेजस्टैच (घोड़ागाड़ी) की तुलना में
दुगनी तेज़ी से दौड़ते हैं."

श्री मेजर्स ने रेड बाइट्स पर निशान लगाया. "वह तुम्हारा होम-स्टेशन होगा," उन्होंने कहा. “तुम्हारा काम रेड बाइट्स से थ्री-क्रॉसिंग तक मेल (डाक) ले जाना होगा."

"क्या एक घोड़ी पर पचहत्तर मील से अधिक दूरी तय करनी होगी?"

बिल ने पूछा.

"बिल्कुल नही!" श्री मेजर ने कहा.

"बीच में भोजन, आराम और नई घोड़ियों के लिए स्टेशन हैं. फिर दो दिनों के आराम के बाद, तुम्हें डाक के साथ वापस सवारी करनी होगी."

बिल में लाल फलालैन की शर्ट, लाल रूमाल, नीली पतलून, सवारी करने वाले जूते और बारिश से बचने के लिए दस डॉलर की टोपी खरीदी. उसके कंधे से एक चमकदार भोंपू लटका हुआ था. वह अब एक सचमुच टट्टू-एक्सप्रेस का सवार था! “यह दोनों पिस्तौलें, और एक चाकू भी ले लो." श्री मेजर्स ने कहा. "शायद कभी ज़रुरत पड़े."

अध्याय 2

पीछा

रेड बाइट्स में भोजन का समय था. वहां पर लोग अपनी-अपनी कहानियां और अपने अनुभव सुना रहे थे. बिल ने हर शब्द को ध्यान से सुना.

"याद है जब भैंस के झुंड ने एक सवार और एक टट्टू को रौंद दिया था?" बेन ने कहा.

"अरे हां," छोटू ने कहा.

"और याद है जब प्याऊ इंडियंस ने एक स्टेशन पर हमला किया था और हमारे टट्टू चुराए थे?" बेन ने कहा.

"बस काफी हो गया!" मिस्टर विलिस - स्टेशन के बॉस ने कहा.

"अब, युवा बिल को और मत डराओ."

आधी रात को बिल अपनी पहली
सवारी के लिए तैयार हुआ.
उसका टट्टू - ब्ल्यूटेल भी तैयार था.

अचानक एक हॉर्न बजा.
टू-ऊ ! टू-ऊ !
"देखो यह पोनी-एक्सप्रेस आ रही है!"
बेन चिल्लाया.

एक टट्टू अंदर आया और फिर उसका सवार उतरा. बिल ने थके हुए टट्टू पर लदे डाक के बोरे (मेल-बैग) खींच लिये और उन्हें ब्लूटेल पर लादा.

"मैं, अब चला!" बिल चिल्लाया.

ब्लूटेल हवा की तरह भागा.

अचानक बिल को पीछे से

कुछ टापों की आवाज़ सुनाई दी.

प्यूट इंडियंस!

बिल को पता था कि

वे उसका टट्टू छीनना चाहते थे.

"तेज़ और तेज़!" वह चिल्लाया.

बैंग! बैंग!

बिल के सिर के पास से गोलियां निकलीं.

"तेज़ दौड़ो!!" वह चिल्लाया.

ब्लूटेल तेजी से भागा, और धीरे-धीरे

इंडियंस पीछे छूट गए.
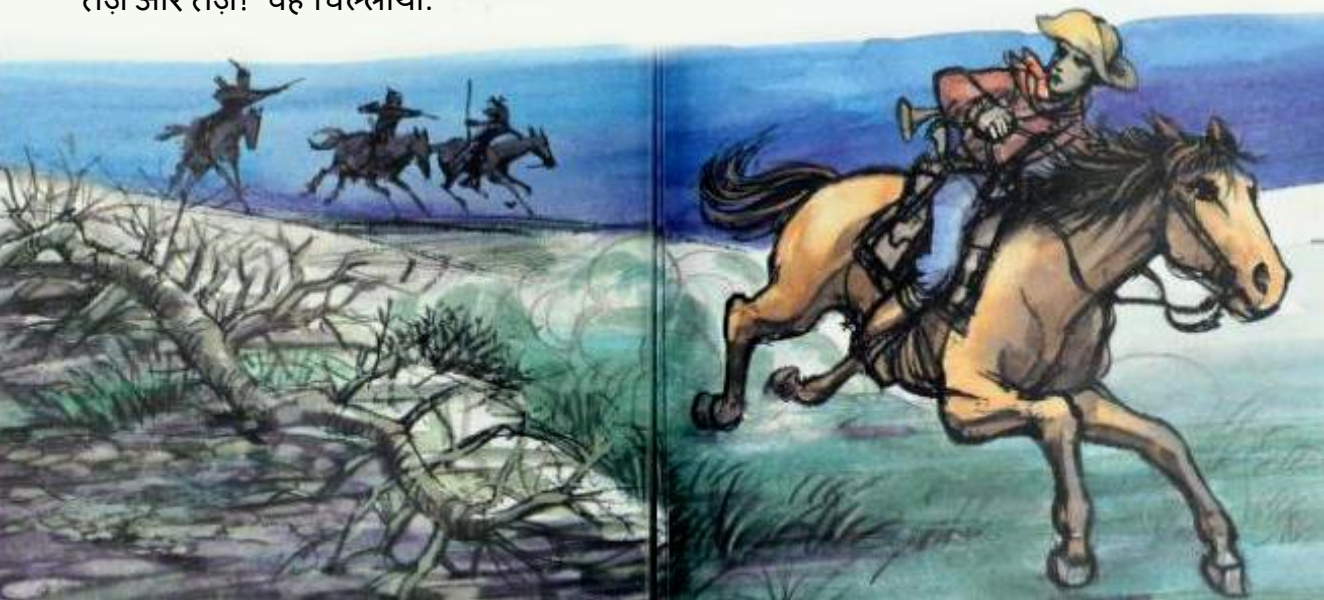
थ्री-क्रॉसिंग की लाइट्स देखकर
बिल बहुत खुश हुआ.
उसने अपने भोंपू को बजाया
टूऊ ! टूऊ !

स्टेशन मास्टर बाहर भाग कर निकला.
"तुम्हें अभी पचहत्तर मील की दूरी और
तय करनी होगी!" वह चिल्लाया.
"क्योंकि दूसरा घुड़सवार आज बीमार
पड़ गया है."
"अरे नहीं!" बिल ने कहा.
वह बहुत थका हुआ था
लेकिन उसने मेल-बैग को बदला
और फिर आगे चला.

सात घंटे बाद बिल थ्री-क्रॉसिंग पहुंचा. उन्होंने चौदह घंटे में लगभग एक सौ पचास मील की दूरी तय की, और मेल (डाक) भी समय पर पहुंचाई.

हर कोई उसकी कहानी सुनना चाहता था, लेकिन बिल थक कर बिल्कुल पस्त हो गया था. वह भोजन की मेज पर ही सो गया.

उसने अपने पहले वेतन को घर भेजा.

उसने लिखा :

प्रिय माँ,

घुड़सवारी आसान है

और भोजन भी अच्छा है.

चिंता मत करना,

यहाँ कुछ ख़ास नहीं होता है.

तुम्हारी याद आती हैं.

सप्रेम,

बिली

अध्याय 3

भेड़िए!

एक रात बिल, रेड बाइट्स
वापिस जा रहा था.
तभी एक तूफान आया. बिजली कड़कने
और गरजने के साथ बूंदाबांदी भी हुई.
बिल ने घोड़ी को शांत करने के लिए
एक गीत गाया.
तभी तेज़ बारिश शुरू हो गई.
बिल पूरी तरह भीग गया.
आगे का रास्ता फिसलन से भरा था.
इसलिए उसे टट्टू को धीमा करना पड़ा.

तब बिल को ऊँ-ऊँ! ऊ-ऊँ!

भेड़ियों की आवाज़ सुनाई दी!

कम-से कम-आठ भेड़िये बिल के

आसपास इकट्ठे हुए.

अंधेरे में बिल उनकी आँखों को

चमकते हुए देख सकता था

क्योंकि वे अब करीब,

और करीब आ गए थे.
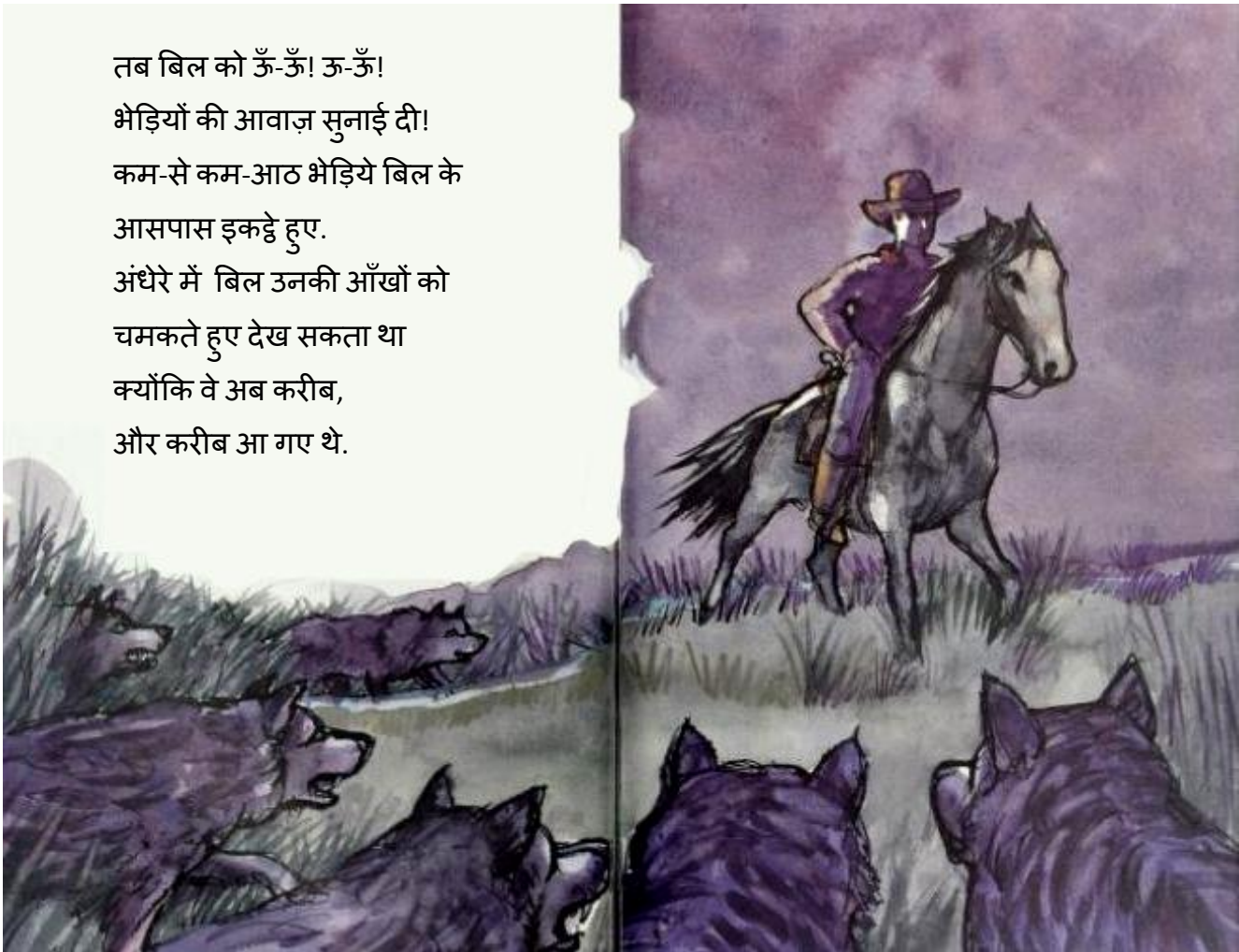
भेड़ियों ने टट्टू के पैर और गर्दन को काटा.
टट्टू ने अपने पिछले पैरों को ऊपर उठाया.
"मुझे गिरना नहीं चाहिए,"
बिल ने खुद से कहा.
"अगर मैं नीचे गिरा फिर वे मुझे
और मेरे टट्टू को भी नहीं छोड़ेंगे."

बिल ने अपनी बंदूक से
भेड़ियों पर गोलियां चलाईं.
फिर वे पीछे हट गए.
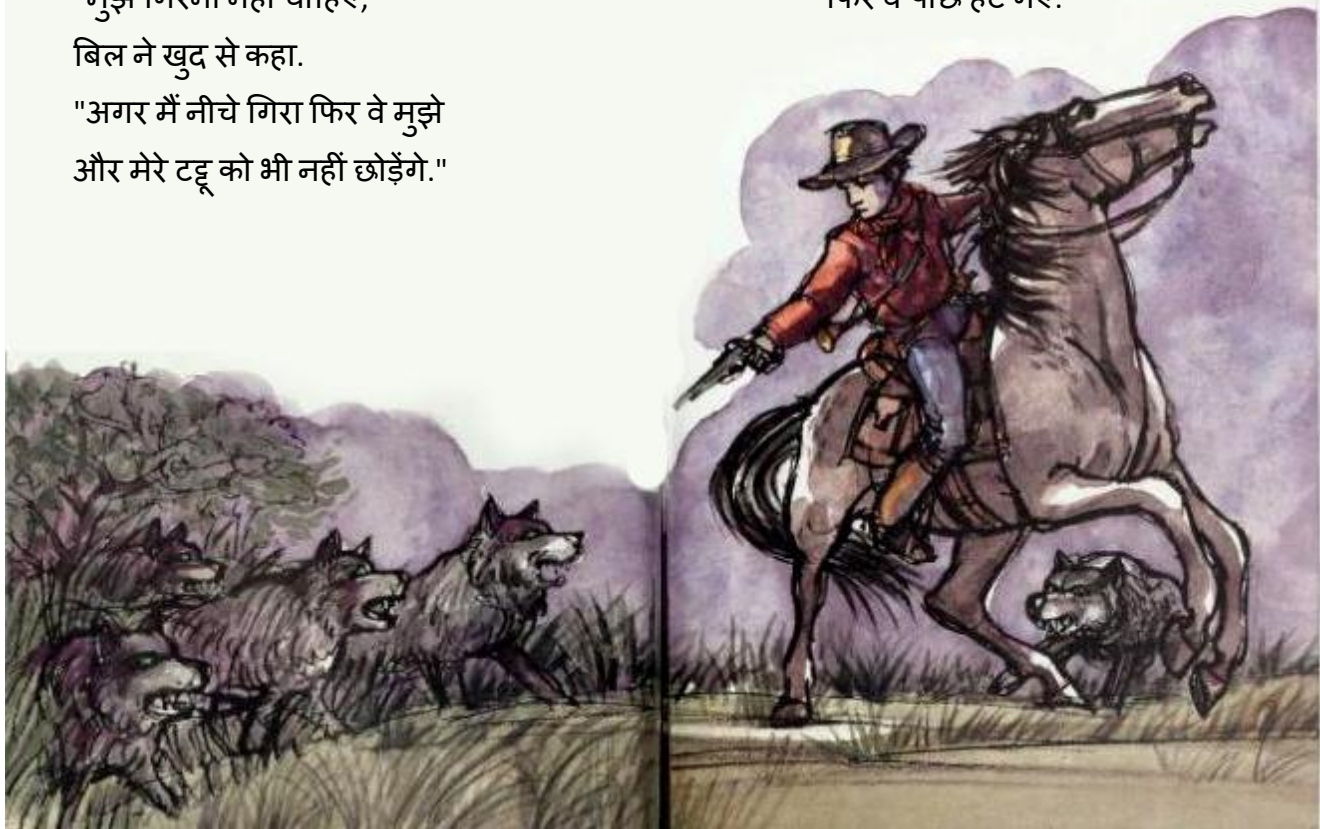
जब बिल की गोलियां ख़त्म हो गयीं तब
भेड़िये फिर से उसकी ओर आए.
अचानक बिल को अपना भोंपू याद आया.
टा-टू ! टा-टू ! टा-टू ! टा-टू !
उसने भोंपू को जोर से फूंका.
उस आवाज़ से भेड़ियों को
बहुत आश्चर्य हुआ.
वे भाग गए.

बिल तब तक भोंपू बजाता रहा
जब तक उसे अपने होम-स्टेशन
की लाइट्स नहीं दिखीं.
"मुझे खेद है कि डाक लाने में कुछ
देर हुई," बिल ने कहा.

"रास्ते में मुझे कुछ भेड़ियों ने
परेशान किया."
"कोई बात नहीं, सब ठीक-ठाक है,"
मिस्टर विलिस ने कहा.
"अगला सवार समय को पूरा कर लेगा.
अब जाओ, थोड़ा आराम करो."

अगले दिन,

बिल ने अपनी मां को लिखा:

प्रिय माँ,

कल रात थोड़ी बारिश हुई थी.

मेरी दस डॉलर की टोपी ने मुझे बचाया,

उसने मेरे सिर को गर्म और सूखा रखा.

सप्रेम,

बिली

अध्याय 4

गोलियों की बौछार

बिल, पोनी-एक्सप्रेस के
सबसे अच्छे सवारों में से एक था.
राह के सभी लोग उसे जानते थे —
यहाँ तक कि चीफ रेन-इन-द-फेस.
बिल, चीफ के बेटों के साथ फोर्ट
लारमी स्कूल में गया था.
उन्होंने उसे सांकेतिक भाषा
(साइन लैंग्वेज) और सिओक्स
इंडियंस के तौर-तरीके सिखाए थे.

एक दिन मिस्टर विलिस ने कहा.
"बिल, मैं चाहता हूं कि तुम थ्री-क्रासिंग
तक बहुत सारे पैसे लेकर जाओ.
पर लुटेरों को उसकी खबर है.
लेकिन मुझे विश्वास है
कि तुम उन्हें संभाल लोगे."

बिल उत्साहित था.
उसे खतरा पसंद था.
अब सब लोग उन पैसों की ही
बातें कर रहे थे.

भयानक लुटेरे टॉड ने भी
उसके बारे में भी सुना.

"मैं उस पैसे को लूट कर ही रहूंगा,"
डाकू के अपने गिरोह से कहा.

बिल जानता था कि चोरों को बेवकूफ बनाने के लिए उसे एक अच्छी योजना बनानी पड़ेगी.
योजना के बारे में सोचने के लिए वह एक लंबी सवारी पर गया.
उसने अपने दोस्त चीफ रेन-इन-द-फे से मुलाकात की.
चीफ काफी नाराज थे.
"क्या तुम्हें पता है कि भयानक टॉड और उसके लुटेरे क्या कर रहे हैं?" चीफ ने पूछा.
"वे लूटने और मारने के लिए अपने चेहरे को इंडियंस की तरह रंगते हैं और फिर हम पर इसका दोष लगता है."

चीफ रेन-इन-द-फेस ने बिल को एक योजना सुझाई.

अगली सुबह बिल तैयार हो गया.
शेरिफ और उसके लोग
मदद के लिए आए.
"हम तुम्हारे साथ चलेंगे,"
शेरिफ ने कहा.
"सात बंदूकें एक से बेहतर होंगी."
"वो काफी नहीं होंगी," बिल ने कहा.
"भयानक टॉड के गिरोह में बीस लोग
हैं, लेकिन उनके लिए मेरे पास एक
योजना है," बिल ने अपना
पोनी-एक्सप्रेस वाला पहनावा उतारा
और उसमें पुआल भर दिया.

"यह तुम क्या कर रहे हो?" शेरिफ ने पूछा.
"आप अभी देखेंगे," बिल ने कहा.

उसने पुआल वाले आदमी के
सर पर एक खाली कद्दू बांधा,
और फिर कद्दू के ऊपर एक
टोपी लगा दी.

पुआल वाला आदमी बिल्कुल बिल
की तरह लग रहा था!
सभी लोग हंस पड़े.
"कद्दू के सिर वाला बिली!"
लोग मिलकर चिल्लाए.

वे बिल ने चार मेल-बैग (डाक-बोरों)
में पुराने अखबार भरे.
फिर उसने ब्लूटेल को चाबुक मारा
और चिल्लाया,
"चलो!"

ब्लूटेल, थ्री-क्रॉसिंग के लिए
रवाना हो गई!
बिल, शेरिफ और उसके लोगों
ने टट्टू का पीछा किया.

जब भयानक टॉड और उसके गिरोह ने पुआल वाले सवार को देखा तो वे अपने छिपने के स्थान से कूदकर बाहर निकले और उन्होंने गोलियां चलाना शुरू कर दीं . उन्होंने डाक से भरे बोरों को भी छीन लिया.

तब शेरिफ और उसके लोगों ने भयानक टॉड को हैरानी में डाल दिया. खूब गोलीबारी हुई, और उसमें भयानक टॉड पकड़ा गया.

बिल सुरक्षित था.
वह पैसे लेकर थ्री-क्रॉसिंग पहुंचा.
जब वह रेड बाइट्स वापिस लौटा तो
उसके स्वागत में
एक बड़ी पार्टी आयोजित की गई.

"बिल कोडी के लिए हुर्रे!"
मिस्टर विलिस चिल्लाए.
"मुझे तुम पर गर्व है, बेटा,"
बेन ने कहा.
"अपनी माँ को बताने के लिए एक
और कहानी," छोटू ने कहा.

बिल ने लिखा:

प्रिय माँ,

कभी-कभी यहाँ रास्ते में

इतनी शांति नहीं होती है.

मैं जल्दी घर आऊंगा.

सप्रेम,

बिल

विलियम फ्रेडरिक कोडी का जन्म 26 फरवरी 1846 को हुआ. वह 1860 में पोनी-एक्सप्रेस में शामिल हुआ. वह उन सवारों में से एक था, जिसने कैलिफोर्निया के सेंट जोसेफ मिसरी और सैक्रामेंटो के बीच तेज़ी से घोड़ों पर डाक पहुँचाने का काम किया. वहां से सैन-फ्रांसिस्को के लिए डाक, एक स्टीमर से भेजी जाती थी. बिल और पोनी-एक्सप्रेस के बारे में कई कहानियाँ अब किंवदंतियाँ बन गई हैं. अक्सर सच को कल्पना से अलग करना मुश्किल होता है क्योंकि बिल को खुद अपने बारे में लंबी कहानियां बताना पसंद थीं.

लुटेरों, सियुक्स और पाइयूट इंडियंस की घटनाएँ वास्तव में घटी थीं. बिल ने इंडियंस जनजातियों का सम्मान किया, और वह उनके बारे में बहुत कुछ जानता था, क्योंकि उनके पिता ने उनके साथ व्यापार किया था.

संयुक्त राज्य भर में टेलीग्राफ लाइनों के जाल के बिछने के बाद केवल अट्ठारह महीनों में पोनी-एक्सप्रेस बंद हो गई. बिल और अन्य सवारों को डाक ले जाने में उनके योगदान के लिए पदक प्राप्त हुए.

बाद में बिल ने उस कंपनी के लिए काम किया जिसने ट्रांसकॉन्टिनेंटल रेलमार्ग का निर्माण किया. उसने श्रमिकों के लिए भैंस के मांस की आपूर्ति करने के लिए अपने जीवन को कई बार जोखिम में डाला. इसी कारण उसे "बफैलो-बिल" कहा जाता था.

1917 में बफ़ेलो बिल की मृत्यु हो गई. पोनी की सवारी करने वाली उस की एक प्रतिमा कोडी, व्योमिंग में, बफ़ेलो-बिल संग्रहालय के पास स्थापित है.

समाप्त